



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 7, 1974 (अग्रहायण 16, 1896)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1974 (AGRAHAYANA 16, 1896)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महानियुक्ति, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे इमार और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ए० 95018/2/72-प्रशा०II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी सहायक अधीक्षक (हालरिय) श्री जे० ए० कपूर को, जिन्हें 14-3-73 से अधीक्षक (हालरिय) के ग्रेड में प्रोफार्म पदोन्नति प्रदान की गई थी और जो 5-9-74 तक सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान में प्रतिनियुक्ति पर थे, लेकिन वहाँ उनकी सेवाएँ 11-10-74 (पूर्वाह्नि) तक की बनाए रखी गई, 11-10-74 के पूर्वाह्नि से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अधीक्षक (हालरिय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत,
अध्यक्ष सचिव

मन्त्रिमन्डल सचिवालय

(कार्यालय तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अध्येषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1974

सं० ए० 7/73-प्रशा०मन-5—इस कार्यालय के दिनांक 3-6-74 की समसंब्यक्त अधिसूचना के अधिक्रमण में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केरल सर्वांग के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री

356 GI/74-1

एम० गोपालन को दिनांक 1 जून, 1974 के पूर्वाह्नि से एक वर्ष की अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति के आधार पर संयुक्त निवेशक, केन्द्रीय अध्येषण व्यूरो एवं पुलिस विशेष महानियुक्ति, विशेष पुलिस स्पापना नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल भगवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अध्येषण व्यूरो

गृह मन्त्रालय

महानियुक्ति का कार्यालय

ग्रीष्मीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० ई० 32015 (1)/4/74-प्रशा०—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति पर, ले० कर्नेल जी० सी० एस० बिष्ट को, दिनांक 25 जुलाई 74 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 16वीं बटालियन का कमांडेंट नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय एच० ई० सी० रांची में होगा।

2. यह दिनांक 13 अगस्त 74 के पूर्वतर सम-संब्यक्त अधिसूचना के अधिक्रमण में है।

एल० एस० बिष्ट,
महानियुक्ति

(6913)

रक्षा मंत्रालय

महानिवेशालय, आईनेंस फैक्टरियों

भारतीय आईनेंस फैक्टरियों सेवा

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1974

सं० 46/74/जी—महानिवेशालय, आईनेंस फैक्टरियों, निम्न-
लिखित अधिकारियों को स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर के पद पर,
प्रत्येक के सामने दी गई नारीख से पुष्ट करते हैं :—

1. श्री एम० आर० गुहाराय,
स्थानापन्न डी०ए०डी०जी०ओ०एफ० 1 जनवरी, 1973
2. श्री आर० एन० सेनगुप्त, स्थानापन्न
उप-प्रबन्धक 1 जनवरी, 1973
3. श्री बी० एन० चटर्जी, स्थानापन्न
अफसर सुपरवाइजर (अवकाश-
प्राप्त) 1 जनवरी, 1973
4. श्री एस० एन० सिन्हा, स्थानापन्न
अफसर सुपरवाइजर 1 अगस्त, 1973
5. श्री डी० सी० बर्मा, स्थानापन्न
अफसर सुपरवाइजर (दिवंगत) 1 मार्च, 1974
6. श्री डी० पी० श्रीचास्तवा, स्थानापन्न
अफसर सुपरवाइजर 6 अगस्त 1974
एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक निवेशक,
आईनेंस फैक्टरियों

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 2/9/74-एस० तीन—महानिवेशालय, आकाशवाणी एतद-
द्वारा श्री जगन्नाथ को 26 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से आकाश-
वाणी के सहायक हंजीनियर के संबंध में स्थानापन्न रूप में रेडियो
कल्पीर, श्रीनगर में नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिवेशालय,
कृते महानिवेशालय

कार्यालय महानिवेशालय नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर, 1974

सं० ए० 32013/3/74 ई० एच०(1)—राष्ट्रपति ने
श्री एच० डी० छण्ड प्रसाद को 10 अक्टूबर, 1974 (पूर्वाह्न)
से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय
निवेशक, बम्बई क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है।

(ii) राष्ट्रपति ने श्री बी० चन्द्रशेखरन को 28 अक्टूबर,
1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन
विभाग में क्षेत्रीय निवेशक, कलकत्ता क्षेत्र के पद पर नियुक्त किया
है।

(iii) राष्ट्रपति ने श्री बी० रामामुख्याध्यन को 10 अक्टूबर,
1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन
विभाग (कार्यालय महानिवेशालय नागर विमानन, नई दिल्ली) में
नियमित आधार पर निवेशक प्रशिक्षण और अनुकापन के पद पर
नियुक्त किया है।

टी० एम० श्रीनिवासन,
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1974

सं० ए० 12034/4/74 ई० ए०—श्री एम० के० सेन गुप्ता,
विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्त्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम-
स्वरूप सरकारी सेवा में निवृत होने पर 31-10-74 (पूर्वाह्न)
को विमान क्षेत्र अधिकारी, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम के पद का
कार्यभार त्याग दिया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृता कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 14 नवम्बर 1974

सं० 309—श्री एस० के० बैनर्जी, कार्यालय अधीक्षक,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालय दिल्ली की नियुक्ति उत्पादन
शुल्क के प्रशासन अधिकारी के रूप में वेतन रु० 650-30-740-
35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200
पर अगले आदेश तक की गई है, और उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क
कार्यालय, रोहतक में प्रशासन-अधिकारी के पद का कार्यभार,
दिनांक 31-12-1974 के पूर्वाह्न में घटण किया।

बी० के० सेठ, समाहृता

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 नवम्बर 1974

सं० क-32014/2/70-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति
(श्रेणी-दी) की संस्तुति पर आध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग
प्रपने प्रसाद से श्री एन० सी० चक्रवर्ती, जो इस समय केन्द्रीय जल
और विद्युत आयोग (जल स्कंध) के बाहर प्रतिनियुक्ति पर है,
को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त
सहायक निवेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी
(अभियांत्रिकी) के पद पर रुपए 350-25-500-30-590-द०
रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में
1-1-73 से संशोधित रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-
35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनकी अनुपस्थिति
में 15 नवम्बर, 1972 से नियमित रूप से स्थानापन्न क्षमता में
नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन,
प्रबन्ध सचिव,
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 अक्टूबर 1974

निदेश सं० 36-एस/अर्जन—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दी हाइवनचन्द्र उर्मी काटेज है जो, जिला नैनीताल में स्थित है (और उसे उपावड़ अनुसूची में और पुणे रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकॉर्टों अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल म, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मानदों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. चन्द्र लाल पटेल मुख्तार आम श्री चीनू भाई पटेल (अन्तरक)

2. मुरेद्दशाह व अन्य (अन्तरिती)

मौ पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के उत्तद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्दनी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रबाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उत्तद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्तद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नौकरों के क्वार्टर सहित जिसका क्षेत्रफल 3110 वर्गफुट है, जिला नैनीताल में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-10-1974

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज लखनऊ का कार्यालय
दिनांक 10-10-1974

निवेश सं० ४-एच० ए० सी० क्य०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षण सहायक, आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-० से अधिक है और जिसकी सं० बी-४० है जो, ई-रोड महानगर एक्सटेनशन स्कीम-लखनऊ में स्थित है (और इसे उपावद्ध अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

(1) डा० आर० पी० अग्रवाल व अन्य (अन्तरक)
(2) डा० एच० जी० पी० श्रीवास्तवा व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नं० बी-४ तथा क्षेत्रफल 8482 वर्गफट है, ई-रोड महानगर एक्सटेनशन स्कीम, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 10-10-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सक्रान्त आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV

राफि श्रहम किंदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक 14-10-74

निर्देश सं० ग० सि० 114/आर-IV/कल० /74-75-यतः,
मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम 1961, (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिस की सं० प्लेट सं० 10ए, दण्डवा मंजील, 107 ढा०
मेघनामसाहा सरणी, है, जो कलकत्ता-29 में स्थित है और इसे
उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ अस्योन्सेस कलकत्ता में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच स्थाय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
1922 का (11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एवेन्यू कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लि० 107
डा० मेघनाम साहा सरणी, कलकत्ता-29 (अन्तरक)

(2) देवदत घोष (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना १
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब भे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट सं० 10ए, दण्डवा मंजील, परिमाण-1440 स्क्वेयर
फिट, 107 मेघनाम साहा सरणी, कलकत्ता-29, साथ सब तरह की
अधिकार इत्यादि, जमीन और साधारण सम्पत्ति पर, जसे के अन्तरण
लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

जार्ज वर्गिस,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

तारीख 14-10-74

मोहर :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ए और बी रेज अमृतसर का कार्यालय
दिनांक 30-10-1974

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/एन० एस० पी०/एपी०-1410/74-75—यत्, मुझे एल० पी० धीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000 रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4931 मार्च 1974 में लिखा है, जो गांव मुतेहरी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रेम राज सिंह पुत्र बारतार सिंह गरु नानक नगर, होशियारपुर (अन्तरक)

(2) कपल दत्त पुत्र शिव दत्त मार्केत सी० एम० ओ० आफिस होशियारपुर (अन्तरकी)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्याकृत जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्याकृत जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्स्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधान

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4931 मार्च, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है

एल० पी० धीर,
सक्षम प्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 30-10-74

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय महापाल प्रवाहर यापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1974

निरेण सं० ए० सी० क्य० 23-1-173ए०/1-1/74-75—
यसः मझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और और जिसकी स० फायनल प्लाट नं० 217, सब प्लाट नं० 6 (उत्तर दिशा) टी० पी० एस० नं० 20 है, जो कोचरव, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिपक्ष के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से दोसे दृष्टमान प्रतिपक्ष का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारात्मिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, असौतः :—

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, असौतः :—

1. श्री भरत कुमार छोटाभाई पटेल की ओर से पावर ऑफ़ प्रोटोर्नी,
- जयन्ती भाई शंकरभाई पटेल,
मरदार पटेल नगर, नवरापुरा, अहमदाबाद (अन्तरक)
2. श्री (1) तेजकरण भंवरलाल लुणिया
नेजकरण भंवरलाल हिन्दु अविभक्त कुट्टब की ओर से,
मरदार पटेलनगर, नवरापुरा, अहमदाबाद ।
(2) श्रीमनी लक्ष्मीदेवी तेजकरण लुणिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्डारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और रायान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोचरव, अहमदाबाद में स्थित, खुली जमीन, जिस का फायनल प्लाट नं० 217 (उत्तर विश्वा में) सब प्लाट नं० 6 और टी० पी० स्कीम नं० 20 है, और जिसका कुल क्षेत्रफल 551 वर्गमीटर है ।

ज० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I अहमदाबाद

तारीख 28-10-74

मोहर

प्रस्तुप आई० टो० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर, आयुष्टि (निरीक्षण),

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 26th October 1974

No. Acq. File. No. 124/KR.—Whereas, I. K. Subba Rao, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो Municipal Ward No. 23 Rev. Ward No. 9 Block 8, Prakasam Rd. Governorpetta, VZA

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्म अधिकारी के कार्यालय Vijayawada in F. Ended on 31-3-74 & 15-4-1974

में भारतीय रजिस्ट्रीफर्म अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन '19' को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफर्म विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बातचिक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई लिसी बात की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

गतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. Dr. Chaganti Suryanarayana,
2. Sri Ch. S. Rajeswara Rao.
3. Ch. Subba Rao, Power of attorney holder
Dr. Ch. Suryanarayana, Hyderabad.

(2) 1. Sri Manchikanti Mala Kondaiah, Pulses business, Immapanja St. Vijayawada.

2. Smt. M. Venkataramanamma, W/o Sri M. M. Kondaiah, Vijayawada.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्था सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District—Vijayawada Sub-Registration—Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Governorpetta—Prakasam Road, Municipal Ward No. 23—Revenue Ward No. 9, Block No. 8—NTS, 315.

Boundaries of the property (covered in 4 items)

- 1st Item—East—Bldg. of Sardar Singh.
South—Prakasam Street.
West—Way to main building and site.
North—Building in 2nd item.
- 2nd Item—East—Site of Velamuri Gopala Krishnaiah.
South—Bldg. in 1st item.
West—Joint Wall of Western side portion of the bldg.
North—Property of Ch. Subba Rao.
- 3rd Item—East—Jt. Property of the bldg. & Site of Sundara Rajeswara Rao.
South—Prakasam St.
West—Compound Wall of R. Suraiah & Shops of J. Suryanarayana.
- 4th Item—East—V. Gopalakrishnaiah Site 12 ft.
South—Site & Bld. of Ch. Subba Rao 63 ft.
West—Compound wall of R. Surajah 12 ft.
North—Bldg. of P. Subbalah 63 ft.

K. SUBBA RAO
संभ्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 26-10-1974.
Seal :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 अक्टूबर 1974

निर्देश मं० अर्जन / 62/सहारनपुर/1859—यतः, मझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० जैसा कि सूची में है जो भी० पठानपुर मारुप रामनगर जि० सहारनपुर में स्थित है (और इसमें उपावड ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे दृष्टने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

356GI/74—2

(1) भवंश्री शुभराती हाफिज बुद्ध, पुत्रगण स्वर्गीय इलाही बक्स। मुसम्मात मारीयम पुत्री इलाही बक्स पत्नी श्री मकबूल अहमद। मुहम्मद इलाहीम हुसैन बक्स, आलियाम स्वर्गीय सैनी। मूसम्मात इलाही पत्नी हुसैन बक्स आलियाम सैनी।

निवासी सभी मोहल्ला पठानपुरा मारुप रामनगर, सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल पुत्र ना० शिवदयाल निवासी मोहल्ला लुहानी भराय, जि० महारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखाकारी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती द्वारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब-रजिस्ट्रार सहारनपुर से प्राप्त फार्म नं० 37 जी० के अनुसार अचल सम्पत्ति मोहल्ला पठानपुरा मारुप रामनगर निकट देहरादून रोड़, सहारनपुर।

वाई० खोखर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 19-10-74

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० गम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

**ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada the 29th October 1974

Ref. No. Acq. File No. 126(EG).—Whereas, I, K Subba Rao, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी में 2-1-7a, Pitapuram Rd. Kakinada

है, जो Kakinada में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में (और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में भारतीय रजि-

स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का (1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. Sri A. Suryanarayana
2. A. V. Satyanarayana Murthy,
3. A. Lakshminarayana Murthy Sriramanagar,
Kakinada.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ganni Surya Venkata Narayana.
2. G. Veera Venkata Satyanarayana Murthy and
3. G. Subbanna Kakinada

(Transferor)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

East Godavari Dt. Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada Town—Pitapuram Road—Door No. 2-1-7A. Total area of the site is 883 Sq. Yards. and the built up area is 5090 sq. ft.

Boundaries

East—Subash Road—Known as Kakinada—Pitapuram road 51 ft.

South—Compound wall of Prince of Whales and Pydavari site 164½ ft.

West—Site of Merla Agastaya 46 ft.

North—Site of M. Tata Rao 163½ ft.

K. SUBBA RAO

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Acquisition Range, Kakinada

Date : 29-10-1974.

मोहूर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 29th October 1974

Ref. No. Acq. File No. 125(WG).—Whereas, I, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं। R.S. No. 28 and 65.

Yagarlapalli Village, Tadepalligudem Taluk में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय Tadepalligudem in 15-3-1973 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकरबनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था लिपाने के लिए सुकरबनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के मावदों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) Venkata Rama Khandasari Sugar Mills, Yagarla Palli, Tadepalligudem Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Mahesh Chand, S/o Prabudayal Siddiam Bar Bazaar, Hyderabad.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूती

West Godavari Dt. Tadepalligudem Sub-Registration—Yagarlapalli—Village—Tadepalligudem Taluk Boundaries. R. S. No. 28/2. Ac. 2.67 Cents—R. S. No. 65/1—AC. 2.72 cents. Total 5.39 cents with all the buildings and the constructions there bearing assessment No. 302.

Boundaries

Boundaries for Item No. 1 Land of Ac. 2.67 Cents—

East—Land of Kesari Rama Rao and others.
South—Land of Gidda Raghunatha Rao.
West—Padala Puntha Bodhi.

Boundaries for item No. II Land of Ac. 2.72 Cents—

East—Land of Ithakota Appalamma.
South—Valluri Hanumantha Rao's land.
West—P. Puntha Bodhi and
North—Land of C. Raghunatha Rao.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 29-10-1974.

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 30 अक्टूबर 1974

निम्नेश सं० 15/74-75/आई० ए० सी० (ए० आर०)/
बी०बी०ए०स०आर०—यतः मुझे, भि० ए० स० मुर्ली आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० खाता नं०-163 है, जो भौजा-मिरकमल पाटना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिला सब रजिस्ट्रार
कट्टक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन 30-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. महमद निजा बिबी, स्वामी-रोसन महमद (अन्तरक)
- 2. (1) जमिला बिबी स्वामी-रोसन महमद
- (2) सौकत आला
- (3) आमलाम महमद

पिता-रोसन महमद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

ए० ओ० 854 डे भिमाल जमिन भौजा—मिरकमल पाटना (मंगलाबाग) कट्टक टाउन में हैं। वह जमीन जिला—सब रजिस्ट्रार आफिस कट्टक में 30-3-74 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डाकुमेंट नं० 1983 है ।

भि० ए० स० मुर्ली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 30-10-74

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

सं० एफ० 17/4/74-ई०-I (भी) —भारत के राजपत्र दिनांक 7 दिसम्बर, 1974 में मन्त्रिमंडल सचिवालय (कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय बन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस्लाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, विल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हवाराबाद, उदयपुर, मुम्बई, नागपुर, पटियाला, पटना, पिंडिंग, श्रीनगर तथा तिब्बेदेम में 24 जून, 1975 से एक प्रतियोगिता परीक्षा भी जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाधन्ध II के पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 50 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जाएगा। (देखिए उपाधन्ध II के पैरा 10)।

इन रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घोलपुर हाउस, मई विल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और उसका पता तथा परीक्षा का नाम साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

दो रूपए की यह राशि किसी भी हास्त में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय बन सेवा परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रेलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पाम 3 फरवरी, 1975 को या उससे पूर्व (3 फरवरी, 1975 से

पहले की किसी तारीख से विवेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 17 फरवरी 1975 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले यिसी भरा देवेन्ट-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाधन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निश्चित रीति से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों दर सारे नहीं होता जो उपाधन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. यदि कोई उम्मीदवार 1974 में ली गई भारतीय बन सेवा परीक्षा में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही प्रपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1974 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशमित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाधन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

7. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रतुत बरहने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वर्व कर नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रधी,
उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाधन्ध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विवेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेंगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हों कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थायित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में

प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 30.00 (अनुसूचित जातिया और अनुसूचित जन जातियों के माले में ₹ 8.00) की राशि दापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त नोटिस के पैरा 6 में उपबधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क की किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आवश्यक रखा जा सके।

उपायन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुबेश

1. इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित गीति के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र अर्थने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

2. आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह प्रक्रम देने का छूट्टुक है, अंतिम रूप से अनु लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान से परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरांथ पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भग द्वारा आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 3 फरवरी, 1975 में पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अरथात् हृसियत से अवधार आकस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हृसियत से कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठाकान को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-मरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले प्रौद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

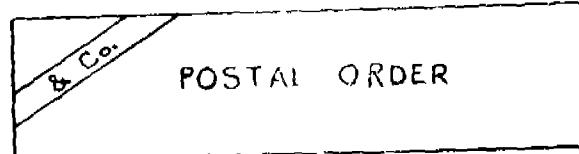
3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के माथ निम्नलिखित प्रभाण-पत्र अवश्य चाहिए —

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपायन्ध I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट शाकार (संगभग 5 से ० मी० २ से ० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो संकार के किसी राजपत्रित अधिकारी प्लारा साक्षात्कार की अवधारणा द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित दरीका के परिणामों के आधार पर सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुत्ता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के सिसम्बर, 1975 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित हो जाने के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का बाबा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है। निर्धारित शुल्क के लिए

रेखाक्रित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रयोक्ता पोस्टल आर्डर प्रनिवार्यत इस प्रकार रेखाक्रित किया जाए—



तथा इस प्रवार भरा जाए Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे कटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

ममी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाल पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट महर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न ता रेखाक्रित किए गए हों और न ही गलिव मध लोक मेंब्रा श्रायोग को नई दिली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हे भेजना सरक्षित नहीं है।

फोटो:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनन्सूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 12.00 के बराबर) यथा स्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, गवर्नर या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएँ और उनसे कहा जाएँ कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission—Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—श्रायोग सामान्यत जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समत्रित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

श्रन्देशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र समिति है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के बेकल पुरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामला में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की गभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अन्तर्गत उस स्थान के हैडमार्ट, प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित

प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जो न मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस स्थान के दाखिला राजस्तर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या भारतविन आय जिसी होनी चाहिए।

उम्मीदवार वा चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र वा साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आय का पुरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र शम्भीकार किया जा सकता है। उन्हे यह भी बतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र शम्भीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पठाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सबूद प्रविष्ट वाले पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार सिंच भेजने और आयोग द्वारा उसके स्थीरूत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को ग्राहने प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि श्रवण भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (प्रथात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता यित्तेप्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजो जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने वा कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में सबूद अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। श्रायोग इस माध्य पर उग्री गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानन के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में दिग्गी परीक्षा में उनीं होने से सबूद विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अन्तर्गत, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष में इस आशय का एक प्रमाण-पत्र नेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि श्रवण भेजनी चाहिए कि वह नियम 6 में निर्दिष्ट विषयों की अहैक परीक्षा में उत्तीर्ण है।

(iv) फोटो:—उम्मीदवार को ग्राहने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से 0 मी० 7 से 0 मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवण भेजनी चाहिए। इसमें से एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका दिली चाहिए और दूसरी आवेदन-पत्र के साथ अन्धी स्वरूप नस्ती कर देनी चाहिए फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार का स्थानी में हस्ताक्षर बरने चाहिए।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को निमावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ अपर पैग 3(ii), 3(iii) और 3(iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक मन्त्रन न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन पत्र के साथ न भेज गए हाँ तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए अंतिम निर्धारित तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने [दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हैं, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पवां पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
मुपुत्र/सुपुत्री*श्री— जो गांव/
कस्बा*— जिला/
मण्डल*— राज्य/संघ
राज्य क्षेत्र*— के/की* निवासी
है,*— जाति /जनजाति
के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है:—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सूचिया संघोधन आदेश, 1956*

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपमण्डल) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादग और नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातिया) (उन्नर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*— और/
मा* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*—
जिला/मण्डल*— राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र
में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान—

तारीख—

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहाँ “आम तौर से रहते/रहती है” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेनेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 अनुसूचित जाति **/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए में है। सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/ग्रैंडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/स्टीटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्स्प्रियूटिव मैजिस्ट्रेट / एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर। (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेमिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ग्रैंडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता है।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्ष्मीपुर्णपाली

5. (i) नियम 5 (ख) (ii) अथवा 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति

प्रौढ़ 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रश्नजनत कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित महायता गिरिशों के कैम्प कमाइट ।
- (2) उम्म क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह हम समय नियामन कर रहा है ।
- (3) संबद्ध ज़िले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट ।
- (4) घपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफमर ।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम झंगल/निवेशक (पुनर्वास) कलकता ।

यदि वह उपायन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छोट नाहाला हैं तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित लिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क वे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ख) (v) प्रथमा (ख) (vi) के प्रत्यर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुष्ट के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी आहिए कि वह एक भारतीय नागरिक हैजो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपायन्धि I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिसिद्धि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (ix) प्रथमा 5 (ख) (x) के प्रत्यर्गत निर्धारित भाष्य-सीमा में सूट भाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिलान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, प्रथमा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला भैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाधन्य 1 के पैरा 2 के अंतर्गत भूस्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से अधिवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अधिवा संवद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित 356GI/74-3

प्रतिलिपि भी यह विख्ननाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शल्क द्वे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5(ख) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पाठिकारों के सध राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिमिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फैंच के भाग्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 5 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट भाहने वाले गोप्ता, दमन और बिधु के संघ राज्य क्षेत्र के उच्चमीदवार को अपनी भाँग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए :—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक,
- (2) कोनसिलहोस के प्रशासक,
- (3) मामलातदार

(vi) नियम 5(ब) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट बाहने वाले कीनिया, उगाड़ा, सथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भसपूर्व टांगानिका सथा जंजीबार) से प्राए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के चिला मैजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए फिर वह बास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vii) नियम 5(ख) (xi) अथवा 5(ख) (xii) के अंतर्गत प्रायु-सीमा में छूट आहते थाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्बासन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फ़ार्म पर इस आशय का एक प्रभाण-पत्र लेकर, उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अधिवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म
 प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के
 रिक नं० _____ श्री _____ रक्षा सेवाओं
 में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिप्रस्तु*
 भेद में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता
 के परिणामस्वरूप निर्दृक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
क्रियांक _____

*जो शहर साथ न हो उसे काट दें।

(viii) नियम 5(ख) (xiii) अथवा 5(ख) (xiv) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट आहते वाले उम्मीदवार को, जो सीमा संशला बल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा

सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे निर्धारित फ़ार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में थार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रभाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—के रेक नं०— सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मक्षत हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पादताप्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीज्ञ पादता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि ऐसे आवेदन-पत्र भरते समय कोई क्षूभा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी बेतावनी दी जाती है कि ऐसे अपने धारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति को किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ढीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर-बदल करें और न ही फेर-बदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई श्रशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह ताकि स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाते वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पंद्रुच जाने की आवश्यकता तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र पन्न के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ सोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से विचित्र हो जाएगा।

11. जिन पुस्तकाओं में अन्य व्यौरों के साथ-साथ पिछले वर्षों में ली गई परीक्षा के प्रश्न पत्रों का व्यौरा भी सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइस्न्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) फिलाथ महल, 14 जनपथ, बैरकस “ए” नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नरमैट आफ हॉटेल युक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकाएं विभिन्न मुफ्तिस्ल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र वादि सचिव, संघ लोक सेवा अधीन, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई विल्सी-110011 को भेज जाएं तथा उनमें लिखा नीचे व्यौदा अनिवार्य रूप से विद्या जाएः—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जम्म-तियि यदि रोल सूचित नहीं किया गया है।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा अड़े अक्षरों में)
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-स्थलहार का पता।

ध्यान वे :—जिन पक्षों आदि में यह द्व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र अविधि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित घौरों के साथ, यथारोप्ति दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

नोटिस

ध्वेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितालक परीक्षा, अप्रैल, 1975

नई दिल्ली, दिनांक ७ दिसम्बर १९७४

सं० 13/10/74-प्रबन्ध—भारत के राजपत्र दिनांक 7
दिसम्बर, 1974 में मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्यक्रम तथा प्रशासन-
निक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार, केन्द्रीय
सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी III, भारतीय विदेश सेवा
(ख) के आशुलिपिकों के उप-संवर्गी की श्रेणी-III तथा सशस्त्र
सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी-III में प्रस्थायी
रिक्तियों में भर्ती के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान
द्वारा दिनांक 8 अप्रैल, 1975 को प्रारम्भ होने वाली बम्बई,
कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेशों में स्थित कुछ चूने
हुए भारतीय हूतावासों में एक प्रतियोगिसात्मक पीक्षा ली जाएगी।

परीक्षा के केन्द्रों तथा प्रारम्भ होने की तारीख में संस्थान के विवेकाधिकार से तब्दीली की जा सकती है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत किए गए उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहा, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न सेवाओं में जिन रिक्तियों में भर्ती की जाती है, उनकी लगभग संख्या नीचे दी गई है:—

(i) केन्द्रीय सचिवालय प्राशुलिपिक सेवा, श्रेणी-III	100**
(ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय प्राशुलिपिक सेवा, श्रेणी-III	*
(iii) भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशु- लिपिकों का उप-संवर्ग, श्रेणी-III	*

**उपर्युक्त संख्या में परिवर्तन हो सकता है।

*आव में निश्चित की जायेगी।

(ख) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार खाली स्थान प्रारक्षित किए जायेंगे।

3. परीक्षा में प्रवेश घाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 20 जनवरी, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं।

आवेदन-प्रपत्र एक रुपये के मूल्य के पोस्टल आर्डर जो रामकृष्णपुरम, (विवरण) डाकघर, नई दिल्ली में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों और “केवल प्राप्तकर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 20 जनवरी, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना-पत्रों पर परीक्षा कानाम “श्रेणी-III प्राशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल 1975” स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपने नाम तथा पते की तीन पर्चियां भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त तीन पर्चियों की प्राप्ति पर आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-पत्र के अधीन—Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिए जाएंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो, तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपये की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपये के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पर्चियां भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक रुपये अर्थवा दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में बापिस नहीं की जाएगी।

विवेशों में रह रहे आवेदकों को आवेदन-पत्र की कीमत के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए या यथास्थिति, भारत के उच्चायुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि को यह कह कर उनके कार्यालय में

1/- रु० या 2/- रु० के बराबर की राशि जमा करवा देनी चाहिए, कि यह राशि लेखा शीर्ष “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान—अन्य प्राप्तियां—आवेदन-पत्रों की बिक्री” के खाते में डाल दें (महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय), उस कार्यालय से टी-आर-5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त करें और वह रसीद संस्थान को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए जिनमें साथ और बड़े अक्षरों में उम्मीदवार का नाम व पता लिखा हो।

मोट 1 :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें श्रेणी-III प्राशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही अपने आवेदन प्रस्तुत करने चाहिए। श्रेणी-III प्राशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर विए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

मोट 2 :—आवेदन पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 20 जनवरी, 1975 के पश्चात कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विवेशों में रहने वाले अर्थवा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह अर्थवा लक्ष्मीप के व्यक्तियों के लिए आवेदन तक तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थना 3 फरवरी, 1975 तक भी स्वीकार कर ली जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, स्कंध सं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरा, नई दिल्ली-110022 के पास 20 जनवरी, 1975 को या उसके पूर्व, अनुबन्ध में दिए गए। अनुवेशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस निश्चित तारीख के बाब भिस्ते वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विवेशों अर्थवा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह अर्थवा लक्ष्मीप में 20 जनवरी, 1975 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 3 फरवरी, 1975 तक भी ले लिए जाएंगे।

मोट 1 :—आवेदन-प्रपत्र की मांग में देरी अर्थवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की अपनी ही होगी।

मोट 2 :—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के काउंटर पर दें, उन्हें उस लिपिक से जो उनसे आवेदन-पत्र ले, पावती-पत्र प्राप्त कर लेना चाहिए।

5. (i) निर्धारित शुल्क :—परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन-पत्र के साथ संस्थान को निम्न-लिखित फीस अवश्य देनी होगी :—

8.00 रुपये (2.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)

(ii) पैरा 5 (i) में बताए गए शुल्क का भुगतान रेखित भारतीय पोस्टल आईंडरों द्वारा होना चाहिए, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों। पोस्टल आईंडर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरे जाने चाहिए।

भारतीय पोस्टल आईंडर
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध
संस्थान, नई दिल्ली को
रामकृष्णपुरम् (वितरण)
आकधर, नई दिल्ली पर
दिया जाए।

संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार धंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा वह वर्षा से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है तथा वह 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है, तो वह अपने विवेक में, उसे निर्धारित शुल्क की छूट दे सकता है।

(iv) उम्मीदवारों को जात होना चाहिए कि पोस्टल आईंडर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकधर, नई दिल्ली के द्वारा किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के कालम 10 के सामने पोस्टल आईंडर के पूरे घोरे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित भारतीय पोस्टल आईंडर नहीं होगा उसे तुरन्त अहवाल कर दिया जाएगा। यह नियम उन धंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और वर्षा तथा श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय मिवाहियों पर लागू नहीं होगा जो जन्मता: 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 5 (iii) के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

यदि किसी उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र द्वारा परीक्षा में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाता है अथवा परीक्षा स्थगित हो जाती है तो उसके द्वारा दिया गया पूरा शुल्क वापिस कर दिया जाएगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप-निवेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, परिचय विषय-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए :—

- (i) परीक्षा का नाम;
- (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष;
- (iii) रोज़ नम्बर या जन्म-तिथि (यदि रोल नम्बर सूचित न किया गया हो);
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा साफ़ प्रक्षरों में),
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

इन विवरणों से रहित पत्रों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पदाचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार “ब्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1975” अवश्य लिख दें।

मवन लाल, निवेशक, (परीक्षा)
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुबंध

1. नोटिस के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से सम्बद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति उप निवेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पास भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केवलों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन सेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश-स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहाँ वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के माम भी बैकलिपक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। प्रशिक्षण संस्थान अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी स्थान पर अथवा किसी अन्य मिशन में परीक्षा देने के लिए कह कह सकता है।

जो उम्मीदवार भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं और नियमों के परिविष्ट के पैरा 1 के अनुसार आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी ध्यय पर आशुलिपि

की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, जैहा ऐसी परीक्षाएँ देने के लिए आवश्यक प्रबन्ध हों, आना पड़ सकता है।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और अपने नाम तथा पते की 6 पर्चियों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र उप निवेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, परिचमी छात्राक 1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ताकि वह नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक प्रवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख के बाद संस्थान को ग्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यदि संस्थान चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह नोटिस के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों में या लक्षद्वीप में, जैसी भी स्थिति हो, रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को भेज देंगे। यदि कोई उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी क्षुटा अंगूष्ठा न दें और न किसी महसूष्पूर्ण तथ्य को छिपाएँ।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि प्रवश्य भेजने चाहिए :

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों।

(ii) (क) अपनी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि;

(ख) 1-1-1975 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों की अवधि के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि;

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट-आकार (लगभग 7 सें. मी० × 5 सें. मी०) के फोटो की दो समान प्रतियाँ,

(iv) "उम्मीदवारों को अनुदेश" के पैरा 6 के अनुसार, यदि लांगू होता हो तो, फीस माफी और/अथवा आयु-छूट के दावे के पक्ष में प्रमाण-पत्र की जट प्रतिलिपि।

उपर की मद (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का अंगूष्ठा निम्नलिखित है :—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर :—
सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुद्रा होनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर "केवल प्राप्तकर्ता लेखा" शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएं।—“सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों।”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। अंगूष्ठित या कटे-फटे या ऐसे पोस्टल आर्डर जिनकी चालू रहने की अवधि समाप्त हो चुकी हो, स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 8.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 2.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्चायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वह इस राशि को लेखा शीर्ष "065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी—अन्य सेवायें—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान—अन्य प्राप्तियाँ—परीक्षा शुल्क" (महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोज्यतीय) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहां उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग द्वारा उसकी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम), राष्ट्रिकता, इसी सन् में जन्म-तिथि (शब्दों तथा अंकों दोनों में), गैरकानिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहां वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1975 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न स्थायी अवधि अस्थायी पद का स्पष्ट दिया हुआ हो।

नोट :—प्रावश्यक प्रसीद होने पर संस्थान सेवा पंजिका अथवा अन्य लिखित प्रमाण मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के फोटो की पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) की दो समान प्रतियाँ आवेदन-पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों। फोटो की प्रतियाँ संस्थान द्वारा अपिस नहीं भेजी जाएंगी।

(iv) शुल्क माफी और/अथवा कम से कम निर्धारित सेवा का अनुमान लगाने, और/अथवा आयु छूट के दबे के पक्ष में बोहित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि आवेदन-पत्र के साथ ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुभति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ उपर के पैरा 4(i), 4(ii) तथा 4(iii) में उल्लिखित कोई कागजात आदि न लगे होंगे और उसे/उन्हें न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों, पर उनके भेजने का स्पष्टीकरण दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संरक्षण के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है। प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपियां संस्थाम द्वारा बापस नहीं की जाएंगी।

उम्मीदवारों को यह भी खेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कोई शुल्क या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशुल्क हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई विसंगति हो तो उस विसंगति के बारे में इलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 5(ii) अथवा (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी सत्यापित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिये प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात् परन्तु 25 अर्ध, 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है:—

- (1) दण्डकारण्य प्रायोजना के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;
- (2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला भैंस्ट्रेट;
- (3) घरने जिले के शरणार्थी पुस्तकालय से सम्बद्ध अस्तिरित जिला भैंस्ट्रेट;
- (4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर;
- (5) परिचयी बंगल के शरणार्थी पुस्तकालय उप-आयुक्त/कलकत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत शुल्क माफी का इच्छुक है तो उसे एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद् सदस्य या राज्य विधान-मंडल

से सदस्य से प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यह कहा गया हो कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

(ii) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 5(v) या (vi) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह श्रीलंका म भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और उसने अस्तव्वर 1964 के भारत-श्रीलंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी भी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद् सदस्य या राज्य विधान-मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकते की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को बापस नहीं किया जाएगा।

(iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो नोटिस के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के (पैरा 5(ix) या 5(x) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिवर्य प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता है उसके जिला भैंस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी अथवा सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद् सदस्य या राज्य विधान-मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकते की स्थिति में महीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को बापस नहीं किया जाएगा।

(iv) संघ राज्य क्षेत्र पाँडीचेरी का उम्मीदवार जो नियम 5(iv) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहता है वह जहां उसने शिक्षा प्राप्त की है शिक्षा संस्था के प्रिसिपल से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि उसने किसी स्तर पर फैच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) संघ राज्य क्षेत्र गोप्ता, दमन तथा दीव का उम्मीदवार जो नियम 5(vii) के अद्वीन आयु-सीमा में छूट का दावा करे वह निम्न अधिकारियों में से किसी एक से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि अपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे।

- (1) सिविल प्रशासन के निदेशक,
- (2) कौनसिलहोस के प्रशासक,
- (3) मामलातदार।

(vi) कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जांजीबार) से प्रत्याधित व्यवित जो नियम 5(viii) के अधीन आयु में छूट का बाबा करे वह जहाँ रहता है उस भेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित बास्तविक व्यक्ति है।

(vii) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 5(xi) या 5(xii) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशक, पुनर्वास, प्रतिरक्षा मन्त्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शास्त्र के साथ संघर्ष में अथवा अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त कर दिया गया।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया गया है कि श्री.....
यूनिट.....रैक मं०.....
विवेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/अशान्तिग्रस्त-क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए फौजी कारवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त किया गया।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
विनांक

*जो लागू न हो उसे काट दें।

(viii) नियम 5(xiii) अथवा 5(xiv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह विद्याने के लिए प्रस्तुत करे कि वह 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणामस्वरूप विमुक्त हुआ

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....के रैक मं०..... श्री..... सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप विमुक्त हुए।

हस्ताक्षर.....
नाम
पदनाम
तारीख

7. ऊपर के पैरा 6 में मार्गे गए प्रमाण-पत्रों की प्रतियाँ निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी चाहिए। वे अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और अपनी सील/खंड की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें :—

- (क) दम्भीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी;
- (ख) संसद या राज्य विधान-मंडलों या दिल्ली महानगर परिषद् के सदस्य;
- (ग) सब-डिवीजन का मजिस्ट्रेट/अफसर;
- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार;
- (च) उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/कालेज संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक;
- (छ) खंड विकास अधिकारी;
- (ज) नगर निगम के सदस्य।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से ही प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं बन जाता।

9. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र डाक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावरी पत्र न मिले तो उसे तत्काल प्रशिक्षण संस्थान से संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथार्थी दे दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं कि कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख अर्थात् 8 अप्रैल, 1975, से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र संस्थान से संपर्क करना चाहिए। इस उपबन्ध का अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जायेगा।

11. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई भी धात्रा-भस्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

12. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि प्रावेदन-पत्र में दिए गए पते पर भेजे हुए पत्राविधावान्यकता पड़ने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जावें। पते में कोई बदली होने पर उसकी सूचना नोटिस के पैरा 7 में दिए गए विवरणों तथा मोटे अक्षरों में अपने रोल नम्बर, नाम तथा मध्ये पते की 6 पर्चियों के साथ संस्थान को यथार्थी भेजनी चाहिए। यद्यपि संस्थान इन परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा गत्ता करता है तो भी वह इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th November 1974

No. A35018/2/72-Admn.II.—Shri J. L. Kapur, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith) of the Office of the Union Public Service Commission who was granted *proforma* promotion in the grade of Superintendent (Hollerith) with effect from 14-3-1973 and who was on deputation with the Institute of Secretariat Training and Management upto 5-9-1974 but his services were retained there upto 11-10-74 (F.N.), resumed charge of the office of the Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 11-10-74.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-1, the 16th November 1974

No. M-7/73-AD.V.—In supersession of this office Notification of even number dated 3-6-74, the President is pleased to appoint Shri M. Gopalan, a retired IPS Officer of Kerala Cadre, as Joint Director, C.B.I. and Special I.G.P., S.P.E. on re-employment basis for a period of one year with effect from the forenoon of 1st June 1974.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer(E)
C. B. I

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th November 1974

No. E-32015(1)/4/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. G. C. S. Bisht as Commandant No. 16th Battalion, Central Industrial Security Force, with Headquarters at H.E.C. Ranchi, on re-employment, with effect from the forenoon of 25th July, 1974, until further orders.

2. This is in supersession of earlier notification of even number dated 13th August, 1974.

L. S. BISHT,
Inspector General

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 8th November 1974

No. 46/74/G.—The D.G.O.F. is pleased to confirm the following Officers in the grade of Officer Supervisor with effect from the date mentioned against each :

1. Shri S. R. Guha Roy, Offg. DADGOF—1st January, 1973.
2. Shri R. N. Sen Gupta, Offg. Dy. Manager—1st January, 1973.
3. Shri B. N. Chatterjee, Offg. Officer Supervisor (Retired)—1st January, 1973.
4. Shri S. N. Sinha, Offg. Officer Supervisor—1st August, 1973.
5. Shri D. C. Verma, Offg. Officer Supervisor (expired), 1st March, 1974.
6. Shri D. P. Srivastava, Offg. Officer Supervisor—6th August, 1974.

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

DIRECTOR GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th November 1974

No. 2/9/74-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Jagan Nath in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the Radio Kashmir, Srinagar with effect from 26th September, 1974 (F.N.).

P. K. SINHA,
Asstt. Director for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st November 1974

No. A-32013/3/74-EH (i).—The President is pleased to appoint Shri H. D. Krishna Prasad as Regional Director, Bombay Region, in the Civil Aviation Department with effect from the 10th October, 1974 (Forenoon) and until further Orders.

(ii) The President is pleased to appoint Shiv V. Chandrasekharan, as Regional Director, Calcutta Region, in the Civil Aviation Department with effect from the 28th October, 1974 (Forenoon) and until further orders.

(iii) The President is also pleased to appoint Shri V. Ramasubramanyam as Director of Training and Licensing on a regular basis in the Civil Aviation Department (Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi), with effect from the 10th October, 1974 (forenoon) and until further orders.

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 12th November 1974

No. A12034/4/74EA.—On attaining the age of superannuation Shri M. K. Sen Gupta, Aerodrome Officer, retired from Government service and relinquished charge of the office of the Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum on the 31st October, 1974 (Afternoon).

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE
Chandigarh, the 15th November 1974
ESTABLISHMENT

No. 309.—Shri S. K. Banerjee, Office Superintendent of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed, until further orders, to officiate as Administrative Officer of Central Excise (Class II) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-EB-880-40-1000-EB-40-1200. Shri Banerjee took over the charge of the post of Administrative Officer Central Excise, Rohtak in the forenoon of 31st October, 1974.

B. K. SETH
Collector

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION

(WATER WING)

New Delhi-22, the 12th November 1974

No. A-32014/2/70-Adm.V.—On the recommendation's of the D.P.C. (Class-II), the Chairman, Central Water and Power Commission, is pleased to appoint Shri N. C. Chakravarty at present on deputation outside the C.W.&P.C. (WW) to the grade of EAD/AE/ARO (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a regular basis in the pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, revised with effect from 1-1-1973 Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 *in absentia* in an officiating capacity with effect from 15th November, 1972.

K. P. B. MENON,
Under Secy. for Chairman,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 36—S/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ihe Hiwan Chandra Urmii Cottage situated at Distt. Nainital (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 31-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandulal Patel Mukhtaram Sri Chinoo Bhay Patel.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Shah & others.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with servant quarter measurements 3110 square feet is situated in Distt. Nainital.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-10-1974
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. R. P. Agarwal & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. H. G. P. Srivastava & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 10th October 1974

Ref. No. 8-HL/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C.,
Acquisition Range, Lucknow
being the competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
**No. B-40 situated at E-Road Mahanagar Extension Scheme,
Lucknow**
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer
at Lucknow on 6-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor and the transferee has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every person
who has made such objection, and the transferee of
the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot bearing No. B-40 and measuring 8482 square feet
is situated at E-Road Mahanagar Extension Scheme, Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 10-10-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, 54,
RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 14th October 1974

Ref. No. AC 114/R-IV/Cal/74-75. Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10A on 10th Floor of 107, Dr. Meghnath Saha Sarani situated at Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Avenue Co-operative Housing Society Ltd., 107, Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta-29.
(Transferor)

(2) Shri Debabrata Ghosh.
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10A on 10th Floor—Area 1440 sq. ft. at 107, Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta-29 together with all rights interests etc. in the land and other common assets as more particularly described in the instrument of transfer.

GEORGE VARGHESE,
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax
Acquisition Range-IV, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 14-10-1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-A & B,
AMRITSAR**

Amritsar, the 30th October 1974

Ref. No. ASR/HSP/AP-1410/74-75.—Whereas I, L. P. Dhir, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4931 of March, 1974 situated at V. Sutehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur in March 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Raj Singh s/o Kartar Singh, Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) Shri Kapal Datt s/o Shiv Datt c/o C.M.O. Office, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4931 of March, 1974 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

L. P. DHIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-A & B,
Amritsar.

Date : 30-10-1974

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANJOOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th October 1974

Ref. No. Acq. 23-I-173(A)/1-1/74-75.—Where J. J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 217 (North-side) Sub-Plot No. 6. T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- 1 Shri Jayantibhai Shankubhai Patel, For & on behalf of Shri Bharatkumar Chhotabhai Patel, As power of Attorney Holder, Sardar Patel Nagar, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

2. (1) Shri Tejkaran Bhanvarlal Lunia, Karta of H.U.F. of Tejkaran Bhanvarlal, Sardar Patel Nagar, Navrangpura, Ahmedabad.
(2) Smt. Laxmidavi Tejkaran Lunia.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, admeasuring 551 sq. yds., bearing Final Plot No. 217 (North-side), Sub-Plot No. 6, of T. P. Scheme No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-10-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 26th October 1974

Ref. No. Acq. I file No. 124/KR.—Whereas I K Subba Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Ward No. 23, Rev. Ward No. 9 Block 8, Prakasam Rd., situated at Governorpetta, VZA (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on F. Ended on 31-3-74 & 15-4-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Chaganti Suryanarayana.
2. Sri Ch. S. Rajeswara Rao.
3. Ch. Subba Rao Power of attorney holder Dr. Ch. Suryanarayana, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1 Sri Manchikanti Mala Kondaiah Pulse, Business, Immapanja Street, Vijayawada.
- 2 Smt. M. Venkataramanamma W/o Sri M. M. Kondaiah, VZA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District-Vijayawada Sub-Registration-Vijayawada Municipality—Vijayawada Town—Governorpetta—Prakasam Road—Municipal Ward No. 23-Revenue Ward No. 9—Block No. 8—NTS. 315.

(Boundaries of the Property (Covered in 4 items.)

- 1st Item—**East**—Building of Sardar Singh.
South—Prakasam Street.
West—Way to main building and site.
North—Building in 2nd item.
- 2nd item—**East** Site of Velamuri Gopala Krishnaiah.
South—Building in 1st item.
West—Joint Wall of Western side portion of the bldg.
North—Property of Sri Chaganti Subba Rao.
- 3rd item—**East**—Joint Property of the building & Site of Sundara Raja Swara Rao.
South—Prakasam Street.
West—Compound wall of R. Suraiah and shops of J. Suryanarayana.
North—Shops and Doba of Sri Ch. Subba Rao
- 4th Item—**East**—Velamuri Gopalakrishnaiah's site 12 FT.
South—Site abd building of Sri Ch. Subba Rao 63 ft.
West—Compound wall of Sri R. Suraiah 12 ft.
North—Building of Sri P. Subbaiah 63 ft.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
I.A.C. of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 26-10-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1974

Ref. F. No. Acq/62/Saharanpur/73-74/1859.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moh. Pathanpura Maroof Ram Nagar, Distt. Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 6-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) S/s Shubraji Hafiz Buddu S/o Late Ilahi Bux; Mst. Mariam D/o Ilahi Bux W/o Sri Maqbool Ahmad; Mohd. Ibrahim S/o Hussain Bux alias late Saini; Mst. Ilahi wd/o Hussain Bux alias Saini,

all residents of Mohalla Pathanpura Maroof Ram Nagar, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Sri Manohar Lal S/o L. Shiv Dayal, Mohalla Iuhani Sarai, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as mentioned in form No. 37-G received from Sub Registrar, Saharanpur situated at Mohalla Pathanpura Maroof, Ram Nagar near Dehradun road Saharanpur.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-10-74.

Seal :

FORM IT N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 29th October 1974

Ref. No. Acq. File No. 126(EG).—Whereas, I, K. Subba Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-1-7A, Pitapuram Road situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the office of the registering officer at Kakinada in 31-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) 1. Sri A. Suryanarayana.
2. A. V. Satyanarayana Murthy.
3. A. Lakshminarayana Murthy Sriramanagar Kakinada.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Ganni Surya Venkata Narayana.
2. V. Veera Venkata Satyanarayana Murthy and G. Subbanna, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dist. Kakinada Registration—Kakinada Municipality—Kakinada Town—Pitapuram Road—Door No. 2-1-7A. Total area of the site in 883 Sq. Yards and the built up area is 5090 Sq. ft

Boundaries

East—Subash Road known as Kakinada-Pitapuram Road 51-feet.

South—Compound wall of Prince of Whales and Pydavari site 164½ ft.

West—Site of Merla Agastayya 46 ft.

North—Site of M. Tata Rao 163½ ft.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 29-10-1974.

Seal;

FORM ITNS

(2) Sri Mahesh Chand, S/o Prabudayal Siddiam Bar
Bazaar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada the 29th October 1974

Ref. No. Acq. File No. 125(WG).—Whereas I K. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 28 & 65 situated at Yagarlapalli Village Tadepalligudem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem in 15-3-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Venkata Rama Kandasari Sugar Mills, Yagarla Palli, Gadepalligudem Taluk.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dist. Tadepalligudem Sub-Registration—Yagarlapalli Village Tadepalligudem Taluk Boundaries, R.S. No. 28/2-Ac. 2.67 cents R.S. No. 65/1-Ac. 2.72 cents—Total 5.39 with all the buildings and the constructions there bearing assessment No. 302.

Boundaries for Item No. II and of Ac. 2.67 Cents—

East—Land of Kesari Ramarao and others.
South—Land of Gidda Raghunatha Rao
West—Padala Puntha Bidhil.
North—Land of Badam Subbalaxmi

Boundaries for Item No. II Land of Ac. 2.72 :—

East—Land of Ithakota Appaiamma.
South—Valluri Hanumantha Rao's land.
West—Padala Puntha Bodhi and
North—Land of Gidda Raghunatha Rao.

K. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date 29-10-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 30th October 1974

Ref. No. 15/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, V. S. Murthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 163 situated at Mouza Mirkamal Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dist. Sub-Registrar Cuttack on 30-3-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Md. Nisa Bibi, W/o Rosan Mohammed.
 (Transferor)
- (2) 1. Jamila Bibi, W/o Rosan Mohammed.
 2. Soukat Alla.
 3. Aslam Mohammed S/o Rosan Mohammed.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land measuring Ac. 0.854 decimals situated at Mouza—Mirkamal Patna (Mangalabag), Cuttack town within the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 1983 dated 30-3-74.

V. S. MURTHY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range Bhubaneswar

Date : 30-10-74,

Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Amendment to the Notice for the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1975

New Delhi-110011, the 30th November 1974

No. F. 11/2/74-E.I. (B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 11/2/74-E.I. (B) dated 22nd June, 1974 relating to the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1975, published in the Gazette of India dated 22nd June, 1974, the following amendments shall be made :—

- (i) The lines 8, 9 and 10 in the 4th sub-para of para 3(ii) of Annexure II to the Notice shall be omitted.
- (ii) For the words "should attest/certified copy" occurring in line 3 of para 5(ii) of Annexure II to the Notice, the words "should produce an attest/certified copy" shall be substituted.
- (iii) For the words "SUCH CHARGES" occurring in line 9 of para 13 of Annexure II to the Notice, the words "SUCH CHANGES" shall be substituted.

N. B. MATHUR
Under Secretary,
Union Public Service Commission

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 7th December 1974

No. F. 17/4/74-EI(B).—A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 24th June, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 7th December, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 13).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 50. This number is liable to alteration.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1975, WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 3rd February, 1975 (17th February, 1975 in the case of candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 3rd February, 1975) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. If any candidate who took the Indian Forest Service Examination held in 1974, wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request, and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 6 of the Notice nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to 3rd February, 1975.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee must submit his application through the head of his department or office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

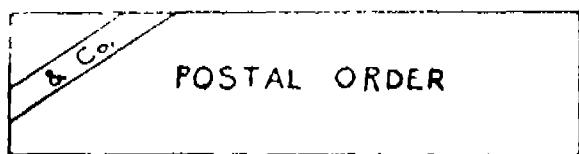
- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTION IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (v) and (vi) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Examination Fees." The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit a copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University Certificate.

(iv) *Photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the commission's office within one month after the last date for receipt (3 (iii) above) within one month after the last date for applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature.....
**Designation
(with seal of Office)

Place

Date

State/Union Territory*

"Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates incharge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(v) or 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce an attested/certified copy of identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(b)(iv) should produce, an attested/certified copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(b)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations with a foreign coun-

try/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xiii) or 5(b)(xiv) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operation during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the results will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A', New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DHOLPUR

HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT
NOTICE

GRADE III STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1ST APRIL 1975

New Delhi, the 7th December 1974

No. 13/10/74-ARRNG.—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade III of Central Secretariat Stenographers' Service Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), and Grade III of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will be held by the Institute of Secretariat Training & Management at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad commencing on the 8th April, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 7th December, 1974

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. (a) The approximate number of vacancies in the various Services for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade III— 100**
- (ii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III * * *
- (iii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade III

**The above number is liable to alteration.

* Will be determined later.

(b) Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing) Institute of Secretarial Training & Management, West Block 1 Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of

application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 20th January, 1975. They are also obtainable from the Institute by post up to the 20th January, 1975, on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training and Management' at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi. The name of the examination—GRADE III STENOGRAPHERS, LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, April, 1975—should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one i.e. he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. *Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders.* This amount of Re. 1.00 or Rs. 2.00 as the case may be will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C-Other Services—I.S.T. & M Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1975. Applications on forms other than the one prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April 1975 will not be entertained.

NOTE 2.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 20th January 1975. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep will, however, be entertained up to the 3rd February, 1975.

4. The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Wing No. 5, Post Bag No. 2, R. K. Puram New Delhi-110022 on or before the 20th January, 1975, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidates contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the 20th January 1975 will, however, be accepted up to the 3rd February, 1975.

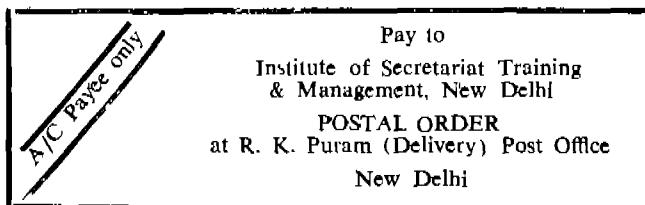
NOTE 1.—Candidates who send their requests for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 2.—Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the clerk who receives the applications from them

5. (i) *Prescribed Fee.*—Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Institute with the completed application form :—

Rs 8.00 (Rs. 2.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the 'Institute of Secretariat Training & Management'. The Postal Orders should be filled as per specimen given below—



The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971) or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT, NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 10 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY AND, BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 5(iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

In case the candidate is not admitted to the Examination by the Institute because of late receipt of his application or cancellation of examination, the fee paid by him will be refunded in full.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training and Management, Post Bag No. 2, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH (IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.)
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelope and correspondence with the words and figures "Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1975.

MADAN LAL,
Director (Exam.)

Institute of Secretariat Training & Management.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the Examination is obtainable from the office of the Institute of Secretariat Training and Management in accordance with para 3 of the Notice. Candidate should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination as an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him or any other Mission.

A candidate, who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 1 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad, where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form, and the sheet comprising six slips showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, Post Bag No. 2, West Block-I R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may, at the discretion of the Institute, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, as the case may be, from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office who will complete the endorsement at the end of the application and forward it to the Institute. If a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management at R. K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi for the Prescribed fee;

(b) Certified true copy of (a) the first page of his Service Book; (b) Particulars of service rendered during the last 3 years ended on 1st January, 1975;

(iii) Two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph;

(iv) Certified true copy of the certificate in support of claim for exemption from payment of fee, and/or age concession (*vide* para 6 of the 'Instruction to Candidates'), if applicable.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below.—

(1) CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS For the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signatures of the issuing Post Master and a clear legible stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED with 'A/c Pavee only' crossing and completed as follows:—

Pay to the Institute of Secretarial Training and Management at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 8, (Rs. 2 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative as the case may be in that country, who should be asked to credit the amount to the account head '065-other Administrative Service-C-other Services—I.S.T. & M.—Other Receipts—Examination Fees' (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) (a) Certified true copy of the first page of the Service Book by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (husband's name in the case of a married woman Government servant), nationality, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification and specimen signature of the candidate.

(b) Certified true copy of the particulars of service during three years ended on 17-1-1975 by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

Note.—The Institute, may, if it considers necessary call for the Service Book or other documentary evidence.

(iii) Two copies of Photograph—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on front by the candidate. Copies of the photograph will not be returned by the Institute.

(iv) Certified true copies of the documents required in support of a claim for remission of fee, and/or reckoning the prescribed minimum service, and/or relaxation of age must be submitted along with the application, failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled in or is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraphs 4(i), 4(ii) and 4(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any documents not submitted with the application but explanation for the absence of which has been given should be sent after the submission of the application and in any case they must reach the Institute within 15 days of the last date for receipt of applications, otherwise the applica-

cation is liable to be rejected. The attested copies of the documents/certificates will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6(1) A displaced person from Bangla Desh (Earlier East Pakistan) claiming age concession under Rule 5(ii) or 5(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971.

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee, *vide* Paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession *vide* para 5(v) or 5(vi) of the Rules, should send an attested copy of a certificate obtained from the High Commission for India in Sri Lanka, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee *vide* paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession *vide* para 5(ix) or 5(x) of the Rules should send an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or of a certificate from the District Magistrate of the Area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(iv) should send an attested copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(vii) should send an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

1. Director of Civil Administration.
2. Administrators of the concessions.
3. Mamlatdars.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(vii) should send an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(xi) or 5(xii) should send an attested copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operation during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and released as a result of such disability.

Signature _____

Name _____

Designation _____

Date _____

*Strike out which is not applicable.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 5(xiii) or 5(xiv) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Name

Designation

Date

7. Copies of the certificates mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following who should indicate his name, designation and full address and date of

attestation and affix his seal/rubber stamp below his signature.—

- (a) Gazetted Officer of the Central or a State Government;
- (b) Member of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi;
- (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers;
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars;
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools/Higher Secondary Schools/Colleges/Institutions;
- (f) Block Development Officers; and
- (g) Members of a Municipal Corporation.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate who sends his application by post does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

10. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute a communication regarding the result of his application one month before the date of commencement of the examination i.e. 8th April, 1975, he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Institute for attending the examination.

12. Change in Address:—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONGWITH SIX SLIPS SHOWING THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.